कृषि निदेशालय, बिहार, पटना

संचिका संख्या– मो0 58/14 कृ0, पटना, दिनांक , 2015

प्रेषक,

धर्मेन्द्र सिंह, भा0प्र0से0
कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

सेवा में :

सचिव,
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग,
बिहार, पटना।

विषय : **मधुबनी जिला अन्तर्गत झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर प्रखंड अवस्थित हजारों हेक्टेयर भूमि जल जमाव के कारण चौर के रूप में परिवर्तित होकर अनुपयोगी होने के संबंध मे।**

प्रसंग : निदेशक, अनुसंधान राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर का पत्रांक–778 दिनांक 12.12.2014

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि श्री नीतीश मिश्रा, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार–सह–अध्यक्ष, राज्य स्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति, बिहार द्वारा सूचित किया गया कि मधुबनी जिला अन्तर्गत तीनों प्रखंडो यथा–झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर (6 पंचायत) अवस्थित हजारो हेक्टर भूमि जल जमाव के कारण चौर के रूप परिवर्त्तित होकर अनुपयोगी हो गया है। किसानों की इस महत्वपूर्ण उर्वरा भूमि को उनके सुझाव के आलोक में उपयोगी बनाने हेतु राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सर्वेक्षण कराया गया। सर्वेक्षण दल द्वारा कृषि एवं मत्स्य पालन से संबंधित सुझाव दिया गया। मत्स्य पालन के संबंध में सुझाव दिया गया कि चौर के सामुदायिक विकास हेतु मछलीपालन का विस्तृत प्रशिक्षण एवं बैकों से ऋण दिलवाकर किसानों को लिज पर जमीन देकर वृहत पैमाने पर मत्स्य पालन का बढ़ावा दिया जाना चाहिए। सुलभ संकेत हेतु सर्वेक्षण दल द्वारा दी गई प्रतिवेदन की छायाप्रति संलग्न है।

अतः अनुरोध है कि दिये गये सुझाव के आलोक में कार्रवाई करना चाहेंगे।

अनुलग्नकः–यथोक्त।

विश्वासभाजन
ह0/–
(धर्मेन्द्र सिंह)
कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

ज्ञापांक 713 / दिनांक 06/2/2015 /

प्रतिलिपिः– श्री नीतीश मिश्रा, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार–सह–अध्यक्ष, राज्य स्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बेली रोड, पटना को उनके पत्रांक–774/नि0 दिनांक 09.10.2014 के आलोक में सूचनार्थ प्रेषित।

कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

कृषि निदेशालय, बिहार, पटना

संचिका संख्या–मो०–58 / 14(सांख्यिकी) 4517 कृ0, पटना, दिनांक 20.10.2014

प्रेषक,

धर्मेन्द्र सिंह, भा0प्र0से0
कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

सेवा में :

कुलपति,
राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय,
पूसा, समस्तीपुर।

विषय : **मधुबनी जिला अन्तर्गत झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर प्रखण्ड अवस्थित हजारो हेक्टेयर भुमि जल जमाव के कारण चौर के रूप में परिवर्तित होकर अनुपयोगी होने के संबंध में।**

महाशय,

उपर्युक्त विषयक के संबंध में श्री नीतीश मिश्रा, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार–सह–अध्यक्ष राज्यस्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति, बिहार का पत्रांक 774 / नि0 दिनांक 09.10.2014 की छायाप्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि पत्र में वर्णित विन्दुओं के आलोक में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक का दल को चौर क्षेत्र में भेज कर सर्वेक्षण प्रतिवेदन के साथ दलदल भूमि विकास (Wet Land Development Programme) का परियोजना प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन
ह0 / –
(धर्मेन्द्र सिंह)
कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

ज्ञापांक 4517 / दिनांक 20.10.14 /

प्रतिलिपि:– श्री नीतीश मिश्रा, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार–सह–अध्यक्ष राज्यस्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति, जवाहरण लाल नेहरू मार्ग, बेली रोड, पटना को सूचनार्थ प्रेषित।

कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

नीतीश मिश्रा

Nitish Mishra

मंत्री
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार
- सह -
अध्यक्ष
राज्यस्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति
बिहार

पत्रांक/Ref No 774/नि०

दिनांक/Dated : 9/10/14

प्रधान सचिव,
कृषि विभाग,
बिहार, पटना ।

मधुबनी जिलान्तर्गत मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र झंझारपुर स्थित तीनों प्रखंडों – झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर (6 पंचायत) अवस्थित हजारों हेक्टेयर भूमि जल–जमाव के कारण चौर के रूप में परिवर्तित होकर अनुपयोगी हो गया है । यद्यपि बाढ़ प्रवण इस क्षेत्र की यह भूमि अत्यंत हीं उर्वर एवं उपजाऊ है, परंतु जल निकासी व्यवस्था के अभाव के कारण हजारों किसानों के लिये यह अभिशाप बनकर रह गया है । प्रखंडवार चौर की सूची संलग्न कर भेजा जा रहा है ।

उक्त के संदर्भ में आपसे दूरभाष पर हुई वार्ता का कृपया स्मरण करना चाहेंगे । विदित हो कि जल संसाधन विभाग के अभियंताओं के दल द्वारा अनेक बार जल निकासी की योजना के लिये सर्वेक्षण का कार्य किया गया । परंतु जल निकासी की संभावना फलीभूत नहीं हो सकी है ।

किसानों की इस महत्वपूर्ण उर्वरा भूमि को उपयोगी बनाने हेतु दलदल भूमि विकास (Wet Land Development) संबंधी परियोजना तैयार करने की संभावना पर अपने स्तर से सर्वेक्षण कराना चाहेंगे । सर्वेक्षणोंपरांत इस भूमि को किसानों के हित में विकास करने से गरीब किसानो की आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ–साथ क्षेत्र की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी ।

शुभकामनाओं के साथ,

Nitish Mishra
(नीतीश मिश्रा) 9.10.1

कार्यालय (Office : पुराना सचिवालय, पटना - 800015, टेलीफैक्स (Telefax) : 0612-2205331
आवास (Resi.) : 12, जवाहर लाल नेहरू मार्ग (बेली रोड), पटना। [illegible]

जल निकासी का कार्य

प्रखण्ड – झंझारपुर

पंचायत – बलनी मेहथ	कब से कब तक पानी जमा रहता है	कितना फिट पानी रहता है	कितना एकड़ प्रभावित
गाँव का नाम – मेहथ			
1 डकही चौड़ ।			7500
2 समिया चौड़ ।			5000
3 बरमोत्तर चौड़ ।			
गाँव का नाम – नवटोल, गोपलखा			
1 छपनिया चौड़ ।			
पंचायत – नवानी			
गाँव का नाम – नवानी			
1 राज घाट से चमर देवी थान तक ।			

प्रखण्ड – लखनौर

पंचायत – कछुवी	कब से कब तक पानी जमा रहता है	कितना फिट पानी रहता है	कितना एकड़ प्रभावित
गाँव का नाम – कछुवी			
1 मन्ना चौड़ ।			1000
पंचायत – बेरमा, कछुवी, कछुआ			
गाँव का नाम –			
1 दलिहाड़ा चौड़ ।			15000
पंचायत – बलिया			
गाँव का नाम–बलिया, लखनौर पश्चिमी			
1 टकवारे कसियाम चौड़ ।			
पंचायत – लखनौर पश्चिमी			
गाँव का नाम –			
1 कमलदाहा चौड़ ।			3000
पंचायत – गुणाकरपुर			
गाँव का नाम – गुणाकरपुर			
1 बिकुआ चौड़ ।			4000
पंचायत – बेहट दक्षिणी			
गाँव का नाम – पथराही			
1 बलभद्रपुर पथराही के पास चौड़			1000
पंचायत – लौफा			
गाँव का नाम – उमरी			
1 इसराईन चौड़ ।			25000

प्रखण्ड – मधेपुर

पंचायत – पचही, प्रसाद, बाँकी	कब से कब तक पानी जमा रहता है	कितना फिट पानी रहता है	कितना एकड़ प्रभावित
गाँव का नाम –			
1 ईसराइन चौड़ ।			25000
2 कलवा चौड़ ।			
3 नरहा चौड़ ।			1000